भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3442

जिसका उत्तर 12.03.2026 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्गों में खामियां

†3442. श्री जगदीश चंद्रा बर्मा बसुनिया:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर वर्ष-वार और राज्य-वार कुल कितनी प्रमुख खामियों की जानकारी मिली है;

(ख) वर्ष 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर खामियों के लिए दंडित की गई और काली सूची में डाली गई एजेंसियों अथवा संविदाकारों का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऐसे चिह्नित दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों के संबंध में किए गए दीर्घकालिक सुधारों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और ऐसी सुधार प्रक्रिया में औसतन कितना समय लगता है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है कि राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के विनिर्देशों और कोडों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार हो। राजमार्ग निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, निष्पादन एजेंसियों द्वारा परामर्शदाताओं (प्राधिकरण के अभियंता/स्वतंत्र अभियंता - एई/आईई) को स्थल (साइट) पर कार्यों के दैनिक पर्यवेक्षण के लिए नियुक्त किया जाता है। निष्पादन एजेंसियों के अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि रियायतग्राही/संविदाकारों द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता निर्धारित आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

यदि कोई खामियां पाई जाती हैं, तो उन्हें रियायतग्राहियों/संविदाकारों के ध्यान में लाया जाता है ताकि अनुबंध/रियायत करार की तकनीकी अनुसूचियों के अनुसार या निष्पादन एजेंसी/एई/आईई द्वारा तय की गई उचित अवधि के भीतर आवश्यक दोष निवारक/सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

राष्ट्रीय राजमार्गों की निष्पादन एजेंसियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों के 95 परियोजनाओं/खंडों में बड़ी खामियां पाई गई हैं। 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों के खंड में पाई गई प्रमुख खामियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण, सुधार कार्यों की स्थिति और संविदाकारों, रियायतग्राहियों, परामर्शदाओं आदि के विरूद्ध की गई कार्रवाई का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है। खामियों/क्षतियों के मामलों में अनुबंध/रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार दोषी

एजेंसियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है, जैसे अनुबंध रद्द करना, जुर्माना/क्षतिपूर्ति लगाना, प्रतिबंधित करना/ब्लैकलिस्ट करना, गैर-निष्पादक घोषित करना आदि।

निर्माण के दौरान या दोष देयता अवधि (डीएलपी) में हुई क्षति की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए सुधारात्मक कार्य संविदाकार/रियायतग्राही की जिम्मेदारी है और यह कार्य अनुबंध करार के प्रावधानों के अनुसार उनके स्वयं के खर्च पर किया जाएगा, सिवाय उन मामलों के जहां अनुबंध करार समाप्त कर दिया गया हो, ऐसी स्थिति में प्रदान की गई प्रतिभूतियां जब्त कर ली जाएंगी।

(ग) ब्लैक स्पॉट का सुधार एक सतत प्रक्रिया है। देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर पहचाने गए कुल 16,542 ब्लैक स्पॉट में से 14,138 ब्लैक स्पॉट का अल्पकालिक सुधार और 6,649 ब्लैक स्पॉट का दीर्घकालिक सुधार हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट के दीर्घकालिक सुधार का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है।

दीर्घकालिक सुधार कार्यों में सड़क की ज्यामिति में सुधार, जंक्शनों में सुधार, कैरिजवे का स्पॉट चौड़ीकरण, अंडरपास/ओवरपास का निर्माण आदि शामिल हैं, जिनमें भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी और जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण जैसी निर्माण पूर्व गतिविधियां शामिल होती हैं, जिनमें काफी समय लगता है।

अनुलग्नक-।

"राष्ट्रीय राजमार्गों में खामियां" के संबंध में श्री जगदीश चंद्रा बर्मा बसुनिया द्वारा पूछे गए दिनांक 12.03.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3442 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

2014 से राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रमुख हिस्सों में पाई गई कमियों सहित सुधार कार्यों की स्थिति और संविदाकारों, रियायतग्राहियों, परामर्शदाताओं आदि के विरूद्ध की गई कार्रवाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
अरुणाचल प्रदेश	1	वर्ष 2021-22 के लिए अरुणाचल प्रदेश राज्य में एनएच -713ए और एनएच -13 के पापु - युपिया - होज - पोटिन खंड पर किमी 31.000 (होज मार्केट), किमी 38.300 (याबी गांव), किमी 39.000 (झरना), किमी 39.700 (अप्पा क्रशर) और किमी 40.300 (क्रशर प्वाइंट) पर स्लिप जोन का स्थायी समाधान	2024	आर.ई. वॉल ढह गई	संविदाकार द्वारा शुरू किए गए दोषपूर्ण कार्य का सुधार। संविदाकार पर अनुबंध मूल्य का 5% जुर्माना
आंध्र प्रदेश	2	हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर भारतमाला परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-16 के विजयवाड़ा-गुंडुगोलानु खंड में चिन्ना औटुपल्ली (डिजाइन चैनेज 0+000) से गोलापुडी (डिजाइन चैनेज 30+000) तक विजयवाड़ा बाईपास को छह लेन का बनाना।	2024	आर.ई. वॉल के निर्माण में दोष।	रियायतग्राही ने आर.ई. वॉल विशेषज्ञ की सिफारिश/सुझाव के आधार पर सुधार कार्य शुरू किया। रियायतग्राही से क्षतिपूर्ति के रूप में 10,99,235 /- रुपये वसूल किए गए।
	3	आंध्र प्रदेश में एनएच -16 के आनंदपुरम-पेंडुर्थी-अनकापल्ली खंड को छह लेन का बनाना	2021	फ्लाईओवर के ए1-ए2 एबटमेंट पर 2 गर्डर (जी1 और जी2) कई लकड़ी के ब्लॉकों के उपयोग और गर्डरों के लिए अनुचित सहारे के कारण ढह गए।	सुधारात्मक उपाय रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर पूरे किये गए।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	4	आंध्र प्रदेश राज्य में एनएचडीपी चरण-IV के तहत ईपीसी मोड पर एनएच-4 के किलोमीटर 171.590 से किलोमीटर 216.912 (कुल लंबाई किलोमीटर 47.687) तक नालगमपल्ली गांव से अल्लकुप्पम (आंध्र प्रदेश/कर्नाटक सीमा) तक के हिस्से का चार लेन में पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2022	आरई वॉल के निर्माण में खामियां।	संविदाकार पर 8,80,378 रुपये का जुर्माना लगाया गया।
	5	भारतमाला परियोजना के अंतर्गत एनएचडीपी चरण-V के हिस्से के रूप में ईपीसी मोड (पैकेज-2) पर आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-5 के कलापर्रु (डिजाइन किमी 1050.680) से चिन्ना अवुतुपल्ली (डिजाइन किमी 1076.480) तक मौजूदा 4-लेन सड़क का 6-लेन विस्तार करना, जिसमें हनुमान जंक्शन बाईपास का 6-लेन निर्माण भी शामिल है (मौजूदा किमी 1055.680 से किमी 1060.800 तक) (डिजाइन चैनेज 0.000 से चैनेज 6.720 तक) (कुल डिजाइन लंबाई: 27.40 किमी)।	2022 और 2025	आरई वॉल के निर्माण में खामियां।	2022: संविदाकार ने अपने खर्च पर खामियों को ठीक किया। 2025: संविदात्मक प्रावधानों के अनुसार संविदाकार को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।
	6	भारतमाला परियोजना के अंतर्गत एनएचडीपी चरण-V के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-5 (नया एनएच-16) (डिजाइन लंबाई = 27.400 किमी) के गुंडुगोलानु (डिजाइन किमी 1023.280) से कलापर्रु (डिजाइन किमी 1050.680) तक मौजूदा 4-लेन सड़क का छह लेन में विस्तार करना (पैकेज-1)।	2022	आरई वॉल के निर्माण में खामियां।	संविदाकार ने अपने खर्च पर खामियों को ठीक किया।
बिहार	7	बिहार राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच-31 के सिमरिया-खगड़िया खंड को किमी 206.050 से किमी 266.282 (डिजाइन चैनेज) और (एनएच-31 के मौजूदा चैनेज किमी 209.945 से किमी 270.000 तक) चार लेन का बनाना	2023	सीआरआरआई द्वारा किमी 264.946 पर पुल के अधिसंरचना के कंक्रीट की गुणवत्ता में रिपोर्ट की गई समस्याएं	सीआरआरआई रिपोर्ट में सिफारिश के अनुसार संविदाकार द्वारा मरम्मत कार्य शुरू किया गया
	8	वाराणसी - मोहनिया (जीटीआरआईपी/5; पैकेज - IV ए): उत्तर प्रदेश और बिहार में एनएच-2 पर एनएच-2 के किमी 65 से किमी 317 तक मौजूदा 2 लेन खंड को 4	2023	संरचनात्मक तत्वों में प्रमुख कमियाँ	संविदाकार पर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना लगाया गया

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		लेन का बनाना			
	9	एनएच-131जी का कन्हौली रामनगर खंड	2022	पी3-ए2 स्पैन के गर्डर का पलटना	संविदाकार और पर्यवेक्षण परामर्शदाताओं के कर्मियों को निलंबित कर परियोजना स्थल से हटा दिया गया है।
	10	एनएच-20 का रजौली बख्तियारपुर पैकेज-III	2022	गर्डर जी-4 ढह गया।	संविदाकार के मुख्य परियोजना प्रबंधक एवं अभियंता (लॉन्चिंग) को निलंबित कर दिया गया है। प्राधिकरण के इंजीनियर के टीम लीडर सह वरिष्ठ पुल अभियंता और सहायक पुल अभियंता को निलंबित कर दिया गया है।
	11	एनएच-19 का छपरा-हाजीपुर खंड (नया एनएच-31)	2023	किलोमीटर 145+280 पर स्थित मेजर ब्रिज के डेक स्लैब से कंक्रीट का गिरना और किलोमीटर 157+860 पर स्थित आरओबी के डेक स्लैब से कंक्रीट का गिरना।	संविदाकार के परियोजना प्रबंधक और पुल अभियंता को निलंबित कर दिया गया। संविदाकार ने अपने खर्च पर पुनर्निर्माण कार्य पूरा किया।
	12	उमागाँव-सहरसा पैकेज-IV (कोसी पुल और पहुंच मार्ग)	2024	निर्माण के दौरान एक गर्डर गिर गया।	संविदाकार के मुख्य परियोजना प्रबंधक एवं अभियंता (लॉन्चिंग) को निलंबित कर दिया गया है।
छत्तीसगढ	13	एनएच-200 (नया एनएच-130) के सिमगा-सरगांव खंड का किमी 48+580 से किमी 91+026 तक 4 लेन का निर्माण	2024	सीमेंट कंक्रीट पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार के जोखिम और लागत पर पैनल सुधार के लिए कार्रवाई की गई।
	14	ईपीसी मोड के तहत एनएच-200 (नया एनएच-130) के सरगांव-बिलासपुर खंड को किमी 91+026 से किमी 126+525 तक 4-लेन किया जाएगा।	2022	सीमेंट कंक्रीट पैनल और किमी. 91, 96, 101, 102 और 106 पर आर.ई. वॉल में दरारें उभरी	ईपीसी संविदाकार ने साइट पर सुधार कार्य शुरू कर दिया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	15	एनएच 200 (नया एनएच 49) (पैकेज-III) पर बिलासपुर उरदावल खंड के किमी 241.553 से 312.60 = 71.0476 किमी (मसनियालाला से रेंगापाली) में पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन (किमी 217.358 पर बोराई नदी एमएनबी)	2025	छोटे पुल के स्लैब को नुकसान	यह कार्य दोष देयता अवधि में है और संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर किया गया है।
	16	छत्तीसगढ़ राज्य में एनएचडीपी-IV के तहत ईपीसी मोड पर रायपुर-बिलासपुर सड़क के रायपुर-सिमगा खंड (पैकेज-I) के किमी 0.000 से किमी 48.580 तक (कुल लंबाई किमी 48.58) के 4/6 लेन के निर्माण का कार्य।	2019	पीक्यूसी पैनलों में दरारें	संविदाकार के खर्चे पर सुधार कार्य शुरू किए गए।
हिमाचल प्रदेश	17	हिमाचल प्रदेश राज्य में ईपीसी आधार पर एनएचडीपी चरण-III के अंतर्गत परवाणू-सोलन खंड एनएच-22 (नया एनएच-05) को किमी 67.000 से किमी 106.139 तक चार लेन का बनाया जाना।	2022	एनएच 05 के परवाणू-सोलन खंड के परियोजना राजमार्ग (सुरंग तक पहुंच मार्ग) के दो-लेन हिस्से पर किमी 3.130 से 3.170 के बीच सड़क खंड का पतन।	ईपीसी संविदाकार द्वारा जीर्णोद्धार कार्य पूरा कर लिया गया है
हरियाणा	18	हीरो होंडा चौक एनएच 48 पर फ्लाईओवर और अंडरपास	2024	डेक स्लैब का कुछ हिस्सा बिटुमिनस सतह के धंसने के साथ नीचे गिर गया (एमसीडब्ल्यू-01) चैनेज 36+350 पर आरएचएस	क्षतिपूर्ति की वसूली हेतु संविदाकार को मध्यस्थता नोटिस जारी किया गया। सुधार एवं मरम्मत कार्य की प्रक्रिया शुरू की गई।
	19	द्वारका एक्सप्रेसवे पैकेज-III (दिल्ली/एचआर सीमा से गुरुग्राम तक आरओबी की शुरुआत)	2021	कुछ खंडों में कंक्रीट का टूटना।	संविदाकार पर 6.67 करोड़ रुपये और प्राधिकरण के इंजीनियर पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। संविदाकार और प्राधिकरण के इंजीनियर को 3 महीने के लिए काली सूची में डाल दिया गया। जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य पूर्ण हो गया।
	20	हरियाणा राज्य में हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी चरण-IV के तहत गुरुग्राम में मौजूदा किमी 2.740 (राजीव चौक) से	2020	निर्माणाधीन फ्लाईओवर का स्पैन (पी10-पी11) ढह	टीम लीडर और स्वतंत्र इंजीनियर के एसक्यूएमई पर प्रतिबंध।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		किमी 11.682 तक एनएच-248ए को छह लेन का बनाना और सुदृढ़ करना।		गया।	गठित विशेषज्ञ समिति ने निर्माणाधीन फ्लाईओवर के ध्वस्त हुए हिस्से को हटाने तथा संविदाकार द्वारा स्वयं के खर्च पर उसके खंडों और विंग का पुनः निर्माण करने की सिफारिश की।
	21	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 2	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 48,61,243/- रुपये का हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का काम शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।
	22	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 3	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 42,95,049/- रुपये का हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।
गुजरात	23	सांचौर-संतालपुर पैकेज-4	2025	जून माह 2025 में बारिश के बाद गड्ढे, दरारें और सतह विरूपण/समस्या देखी गई, कुछ स्थानों पर गहरी रटिंग हो गई	संविदाकार पर ₹2.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और एक वर्ष तक या सफलतापूर्वक सुधार होने तक, जो भी बाद में हो, उस पर रोक लगाने की सिफारिश की गई है। संविदाकार ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक को निलंबित कर दिया गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	24	बीओटी आधार पर गुजरात में एनएच-8बी पर मौजूदा जेटपुर-गोंडल खंड (किमी 117,600 से किमी 143,000) को दो लेन से चार लेन में चौड़ा करना; मौजूदा चार लेन वाले गोंडल-राजकोट खंड (किमी 143,000 से किमी 175,000) में सुधार करना और मौजूदा राजकोट बाईपास (किमी 175,000 से किमी 185,000) को दो लेन से चार लेन में चौड़ीकरण	2020	पीसीसी की निचली दीवार 180.590 किमी पर ढह गई।	संविदाकार को 2 वर्ष के लिए प्रतिबंधित करने का नोटिस जारी किया गया। मरम्मत का कार्य संविदाकार ने अपने खर्च पर किया।
झारखंड	25	एनएच 75 के कचहरी चौक से बिजूपारा खंड तक (किमी 0.0 से किमी 34.00 तक) 4 लेन का निर्माण।	2022	टूटे हुए पीक्यूसी पैनल	खामियों को ठीक न करने के कारण 11.79 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस बैंक गारंटी भुनाई गई।
	26	झारखंड राज्य में एनएचडीपी चरण-III के अंतर्गत ईपीसी पैटर्न पर एनएच-33 (किमी. 277+500 से किमी. 333+500 तक) और एनएच-06 (किमी. 199+200 से किमी. 183+587 तक) के महूलिया-बहारगोरा-झारगढ़/पश्चिम बंगाल सीमा खंड का चार लेन में निर्माण।	2024	टूटे हुए पीक्यूसी पैनल, गड्ढे	संविदाकार पर 1.55 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।
कर्नाटक	27	एनएच-948 के बेंगलुरू खंड तक बीआरटी टाइगर रिजर्व सीमा को दो/चार लेन का बनाया जाना	2025	किमी 337+670 से किमी 337+680 आरई 10 मीटर लंबाई का ब्लॉक ढह गया	रियायतग्राही ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है (आईआईएससी बैंगलोर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की सिफारिश के अनुसार।)
	28	होस्पेट-बेल्लारी-कर्नाटक/आंध्र प्रदेश सीमा किमी 280.080 से किमी 375.450 तक	2020	पीक्यूसी में किमी 8.30 तक दरारें हो गई हैं।	मूल अनुबंध समाप्त। नया ईपीसी संविदाकार शेष कार्यों को क्रियान्वित कर रहा है।
	29	हुबली-होस्पेट खंड को 4 लेन का बनाना	2022	पीक्यूसी फुटपाथ पर दरारें और फुटपाथ पर अनुदैर्ध्य जोड़ों का चौड़ा होना	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	30	कर्नाटक राज्य में एनएच-66 (पूर्व में एनएच-17) के गोवा-कर्नाटक सीमा से	2024	काली पुल के तीन हिस्सों के ढहने की घटना। ढलान	संविदाकार को अगस्त 2024 में 1 महीने के लिए प्रतिबंधित किया

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		कुंदापुर खंड तक किमी 93.700 से किमी 283.300 तक चार लेन का कार्य एनएचडीपी-IV के तहत डीबीएफओटी पैटर्न पर बीओटी परियोजना के रूप में निष्पादित किया जाएगा:		स्थिरता कार्य अपर्याप्त।	गया
केरल	31	कलमस्सेरी से वल्लारपदम एनएच 966ए तक वल्लारपदम में आईसीटीटी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कता	2025	पुल संख्या 07 और 08 चैनेज 7+960 और चैनेज 9+067 (बीएचएस) पर पाइल फाउंडेशन में संकट देखा गया।	संविदाकार पर 30.74 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया
	32	कोडुगल्लूर से एडापल्ली एनएच 66	2025	पाइल नींव में क्षति चैनेज 398+400 और 398+989 (आरएचएस) निम्न स्तर का कार्य (छोटे पुल निर्माण कार्य, आरएस दीवार के लिए भराव सामग्री, सुरक्षा संबंधी अपर्याप्त सावधानियां, गर्डरों की ग्राउटिंग में देरी, बेयरिंग का उभार) या खराब गुणवत्ता (दोषपूर्ण आरई पैनल)	रियायतग्राही को 1 वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। सुधार कार्य संविदाकार के खर्चे पर किया जाएगा।
	33	एनएच -66 का चेंगला-नीलेश्वरम खंड	2022 और 2025	निर्माण के दौरान 2022 में चैनेज 72+927 पर वीयूपी का पतन दिनांक 16.06.2025 को चैनेज 58+035 से चैनेज 58+100 (आरएचएस) पर मिट्टी की कीलें गिरने की घटना घटी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।	प्राधिकरण ने रियायतग्राही और उसके प्रमोटर को भविष्य में बोली लगाने से एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। रियायतग्राही पर प्रतिबन्ध भी जारी किया गया है। एई के वरिष्ठ पुल अभियंता को साइट से हटा दिया गया है।
	34	एनएच -66 का नीलेश्वरम-थालिपरंभा खंड	2025	कटे हुए भाग में असुरक्षित मिट्टी का खिसकना तथा कैरिजवे पर मलबा जमा	सुधार कार्य किया गया और मध्य भाग में एहतियाती बैरिकेडिंग के साथ यातायात बहाल कर दिया

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				होना।	गया।
	35	चैनेज174+150 (थलसेरी-माहे बाईपास सेक्शन)	2020	01 पुल (4 गर्डर ढह गए)	संविदाकार पर 1.00 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया और संविदाकार को एक वर्ष की अवधि के लिए निविदा में भाग लेने से रोक दिया गया। प्राधिकरण के इंजीनियर पर 20.00 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। 2. एई के टीम लीडर और ब्रिज इंजीनियर को 2 वर्षों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया। 3. संविदाकार के प्रोजेक्ट मैनेजर को परियोजना से हटा दिया गया।
	36	एनएचएआई - भारतमाला परियोजना के तहत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में डिजाइन चैनेज 298+500 (एक्स. किमी 304.250) से डिजाइन चैनेज 335+850 (एक्स. किमी 349.260) तक एनएच - 66 (पुराना एनएच -17) के वलनचेरी बाईपास की शुरुआत से कपिरिक्कड़ खंड तक छह लेन का कार्य	2025	आरई वॉल ढह गई	संविदाकार और स्वतंत्र इंजीनियरिंग फर्म को 01 महीने की अवधि के लिए या विशेषज्ञ समिति द्वारा जांच पूरी होने तक, जो भी बाद में हो, चालू/भविष्य की बोली में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।
	37	थुरवूर-परवूर	2025	निर्माण के दौरान 4 पीएससी गर्डरों का ढहना	एनएचएआई ने 15.35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ब्रिज इंजीनियर और एई के टीम लीडर को बर्खास्त कर दिया गया।
	38	भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में एनएच-47 (नया एनएच-66) के किमी 486+000 से किमी.517+800 तक कोल्लम बाईपास से कदम्बट्टुकोणम तक छह लेन का निर्माण	2025	किमी चैनेज 497+370 (आरएचएस) पर छोटे पुल (निर्माणाधीन) के मचान का टूटना/गिरना	रियायतग्राही पर 9.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया
	39		2025	आरई वॉल की विफलता चैनेज 504+400 से 504+500 (बाएं)	रियायतग्राही द्वारा सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई।
	40	एनएच 66 के अरूर से थुरवूर थेक्कू खंड तक जमीनी स्तर पर मौजूदा 4 लेन सड़क के विकास के साथ-साथ 6एल एलिवेटेड	2025	स्पैन पी-202-पी-203 पर दो पीएससी गर्डरों का गिरना	संविदाकार और एई को एक महीने के लिए भविष्य में बोली लगाने से रोक दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		कॉरिडोर		प्रक्षेपण में प्रयुक्त सामग्री की प्रभावकारिता की समीक्षा करने में एई की ओर से विफलता तथा अनुमोदित प्रक्षेपण योजना का अनुप्रयोग सुनिश्चित न करना।	
	41	अझियूर-वेंगलम	2024	किलोमीटर 191 (बाएं) और किलोमीटर 193 (दाएं) पर मृदा कीलें धंसने से नुकसान हुआ।	रियायतग्राही द्वारा सुधार की प्रक्रिया शुरू की गई।
	42	रामनट्टुकरा-वलंचेरी	2025	आरई वॉल में दोष	संविदाकार द्वारा अपने खर्चे पर सुधार कार्य शुरू किए गए।
मध्य प्रदेश	43	एनएच-46 के भोपाल-बियोरा खंड को 4-लेन का बनाना	2025	सड़क का समय से पहले खराब हो जाना।	संविदाकार पर 119 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। संविदाकार के खर्चे पर सुधार कार्य शुरू किया गया।
महाराष्ट्र	44	एनएच-6 के नागपुर में आरओबी एलसी संख्या 71 और 72 सहित ऑक्ट्रोई नाका से इतवारी और मानेवाड़ा से कलमना और रानी प्रजापति स्क्वायर से वैष्णव देवी स्क्वायर तक इनर रिंग रोड के लिए आरसीसी उपयोगिता डक्ट पर पहुंच रैंप, सर्विस रोड फुटपाथ सहित आरओबी और नदी पुल के साथ एकीकृत एनएच-6 के 4-लेन फ्लाईओवर का निर्माण।	2021	प्रक्षेपण के बाद अपर्याप्त ब्रेसिंग के कारण एकल गर्डर के पी7 सिरे के खिसकने से गर्डर का एक सिरा ढह गया।	संविदाकार के परियोजना प्रबंधक को 3 महीने के लिए तथा संविदाकार को 9 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया। क्षतिग्रस्त गर्डर को संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर बदल दिया गया। एनएचएआई के परियोजना निदेशक का तत्काल स्थानांतरण किया गया।
	45	एनएच-06 (नया एनएच-53) पर फाग्ने (किमी 510.000) से महाराष्ट्र/गुजरात सीमा (किमी 650.794) तक शेष कार्य	2022	चैनेज 547.344 पर प्रमुख पुल के स्लैब में क्षति देखी गई	संरचना का लेखापरीक्षण वीएनआईटी नागपुर द्वारा किया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
					वीएनआईटी, नागपुर की सिफारिश के अनुसार, संविदाकार ने स्लैब का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।
	46	एनएच-66 के किमी.0.0 से किमी.42.3 तक पनवेल से इंदापुर खंड के 4-लेन के लिए शेष कार्य - ईपीसी	2024	पैनल में दरार, खराब सवारी गुणवत्ता, बंप, खराब मोड़ आदि।	संविदाकार ने सुधार कार्य शुरू कर दिया है।
	47	बोधवाड-मुक्ताईनगर-बरहानपुर सड़क खंड - II किमी 44/760 किमी.78/145।	2020	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। डीएलपी अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई है।
	48	खंड-II कोल्डे से खेतिया रोड किमी.50+200 से 98+800	2021	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	49	मेहकर-अजीसपुर रोड	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार की निष्पादन गारंटी जब्त कर ली गई है। क्षति की क्षतिपूर्ति हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
	50	भोकर-सरसम	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	51	सिल्लोड-फर्दापुर	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	52	परभणी से गंगाखेड़	2021	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने पैनल प्रतिस्थापन/सुधार कार्य निष्पादित कर दिया है।
	53	अम्दी - साओनेर	2022	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	54	महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पूर्ववर्ती एनएच-17) को किमी 241+300 से 281+300 (अरावली से कांटे खंड) तक हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत पेव्ड शोल्डर सहित चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन ।	2025	पीक्यूसी में अवसाद और दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	55	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पुराना एनएच 17) का किमी 281+300 से किमी 332+200 (कांटे से वेकेड खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी दरारें और निपटान।	संविदाकार ने टूटे हुए पैनलों को बदल दिया है।
	56	महाराष्ट्र राज्य में एनएचडीपी-IV के अंतर्गत ईपीसी मोड पर एनएच-66 (पुराना एनएच-17) का किमी 332/200 से किमी 367/200 (वातुल से तालगांव खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी में पूर्ण गहराई वाली दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	57	तलेरे गगनबावड़ा कोल्हापुर रोड (एनएच-166जी) के खंडों का पुनर्स्थापन और उन्नयन, एनएच-166जी के चैप्टर 6/00 किमी से चैप्टर 11/00 किमी तक और चैप्टर 19/300 किमी (करुल घाट की शुरुआत) से 35/300 किमी (गगनबावड़ा के अंत) तक, महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर/2 लेन कॉन्फ़िगरेशन लेन, लंबाई 21.00 किमी तक।	2025	पीक्यूसी में दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	58	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर कराड से तासगांव एनएच 266 पर किमी 0/00 से 58/830 तक पेव्ड सड़क सहित दो लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन	2024	टूटे हुए पैनल	क्षति की भरपाई संविदाकार के जोखिम और लागत पर की जाएगी।
	59	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच 753 के सलाईखुर्द से तिरोदा किमी 120/100 से 163/200 (डिजाइन किमी 44/00 से 87/00) तक पेव्ड सड़क के साथ दो लेन का उन्नयन	2024	निर्माण के बाद कठोर फुटपाथ में दोष देखे जाते हैं, जैसे अनुदैर्ध्य और पार्श्व दरारें बनना, केंद्रीय जोड़ों का खुलना, पैनलों का बैठना आदि।	आईआईटी बॉम्बे को दोषों की तकनीकी जांच और उपचारात्मक उपायों के सुझाव के लिए नियुक्त किया गया है।
	60	पुराने एनएच 9 के किलोमीटर 150.050 से किलोमीटर 251.325 तक पुणे-सोलापुर खंड को चार लेन का निर्माण (पैकेज-II)	2020	रटिंग	संविदाकार पर 41.32 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।
राजस्थान	61	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेस एनई-4 पैकेज 06	2024	गड्ढे, रेनकट, और जल जमाव	रियायत करार के प्रावधान के अनुसार तय समय में कमियों को ठीक न करने पर हर संविदाकार पर 50 लाख रुपये की शास्ति लगाई गई।
	62	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 07	2024		
	63	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 08	2024		
	64	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 09	2024		

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	65	भारतमाला परियोजना-चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में सांगरिया (चौटाला के पास)-रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 28+70 से किमी 53+0 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण। (एजे/एसआर-पैकेज-2)	2024	राइडिंग क्वालिटी और सेटलमेंट में कुछ अवस्थानों पर कमी देखी गई	(i) संविदाकार पर 50.00 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। (ii) अथॉरिटी इंजीनियर टीम के दो खास लोगों को खराब पर्यवेक्षण की वजह से नौकरी से निकाल दिया गया।
	66	भारतमाला परियोजना - चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में अमृतसर-जामनगर आर्थिक कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर रारा-754के के संगरिया (चौटाला के पास) - रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 53+000 से किमी 88+000 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण। (एजे/एसआर-पैकेज-3)	2024	83 मी. सिंगल स्पैन ट्रस ब्रिज के उद्घाटन के दौरान नोज़ स्ट्रक्चर में खराबी	संविदाकार पर 1.00 करोड़ रु. की शास्ति लगाई गई और भविष्य में ऐसा करने पर उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एनएचएआई के कामों में फैब्रिकेशन टीम और डिज़ाइनर टीम को 02 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया। अथॉरिटी इंजीनियर पर 20 लाख रुपये का जुर्माना और भविष्य में ऐसा करने उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अथॉरिटी इंजीनियर द्वारा तैनात सीनियर ब्रिज इंजीनियर को एनएचएआई के कामों में 2 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया।
	67	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 4	2024	रटिंग और पहुंमार्ग का सेटलमेंट	कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए आईआईटी, खड़गपुर को सौंपा गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	68	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 5	2024	आरई दीवार का उबड़-खाबड़ होना, पहुंचमार्ग का बैठना और उभार होना	अनुरक्षण में देरी के लिए 88.32 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। सीआर आरआई के सुझावों के अनुसार आरई दीवार के उभार को ठीक कर दिया गया है। ज़्यादातर गड्ढे ठीक कर दिए गए हैं। इसके अलावा, ऊपर बताई गई चीज़ों के अलावा, आईआईटी खड़गपुर को कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए लगाया गया है।
	69	दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड संरेखण (रारा-148एन) (पैकेज-16) चै. 427.300 से चै. 452.420) [नयागांव के पास जागीर गांव से राजस्थान/एमपी सीमा तकली नदी पर बड़ा पुल]	2024	यह खंड 30.11.2023 से चालू है और कुछ जगहों पर संरचना के रास्ते में सेटलमेंट देखे गए हैं।	ईपीसी संविदाकार ने नुकसान ठीक कर दिया है।
	70	राजस्थान के नागौर जिले में रारा-65 पर जोधपुर-अजमेर रोड पर किमी 172.990 पर मौजूदा लेवल क्रॉसिंग नंबर सी-64 के स्थान पर प्रस्तावित 2-लेन आरओबी और इसके पहुंचमार्ग का निर्माण	2024	काम पूरा होने के बाद, खराब कारीगरी की वजह से आरओबी के डेक स्लैब में हनी कॉम्बिंग की वजह से स्ट्रक्चरल खराबी देखी गई है।	संविदाकार खत्म कर दिया गया है । संविदाकार का निष्कासन सुधार के काम के लिए बोलियां मंगाई गई है।
तेलंगाना	71	भारतमाला परियोजना के तहत हाइब्रिड वार्षिकी मोड (पैकेज-III) पर तेलंगाना राज्य में मंगलूर (डिजाइन किमी 86.788 / मौजूदा किमी 91.350) से तेलंगाना/महाराष्ट्र सीमा (डिजाइन किमी 135.751 / मौजूदा किमी 140.873) तक एनएच-161 का चार लेन का निर्माण।	2022	परियोजना राजमार्ग पर मरम्मत और रखरखाव अवधि के दौरान कुछ स्थानों पर गड्ढे और रिसाव देखे गए।	भरण-पोषण दायित्वों के उल्लंघन के लिए 134.784 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।
तमिलनाडु	72	मदुरै-चेट्टिकुलम खंड का किलोमीटर 0.000 से किलोमीटर 7.300 तक 4-लेन का निर्माण।	2021	निर्माण के दौरान बेयरिंग लगाते समय डाउन रैंप के किमी 2+850 पर पियर पी4 और पी 5 के बीच 3 गर्डर (जी1, जी2 और जी3) गिर गए।	संविदाकार ने बताई गई जगहों पर अपने खर्चे पर गर्डर बदल दिए हैं।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	73	सेठियाथोप - चोलपौरम खंड के 65.960 किमी से 116.440 किमी तक 4-लेन बनाना	2022 और 2025	2022 में: कोल्लिडम नदी पर अनाइकराई बड़े पुल के किमी 107+400 पर हाइड्रोलिक जैक फेल होने की वजह से नीचे गिर गया। 2025 में: ए2 (तंजावुर) साइड पंहुच (बाईं ओर) का आरई वॉल ब्लॉक हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया है और नीचे गिर गया है।	2022 में: 7.305 करोड़ रुपये (बीपीसी का 0.5%) की शास्ति लगाई गई और रियायतग्राही से वसूल की गई। टूटे हुए हिस्से को रियायतग्राही ने अपने खर्चे पर फिर से बनवाया है। 2025 में: सुधार का काम रियायतग्राही ने अपने खर्च पर पूरा किया।
	74	तंजावुर-त्रिची खंड के किमी 80.000 से किमी 136.490 तक 4-लेन का बनाना	2023	ए1 (तंजावुर) साइड अप्रोच (बाईं ओर) का आरई वॉल पैनल हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया है और नीचे गिर गया है।	एक्सपर्ट कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर, संविदाकार ने मिट्टी की कील लगाकर रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया।
उत्तर प्रदेश	75	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-731ए के किमी 35.00 से 49.155 तक पेव्ड शोल्डर सहित 4 लेन ग्रीन फील्ड राजमार्ग का निर्माण। (जॉब सं. सीई-आरओ-एलकेओ/एनएच(ओ)/रारा-731ए/2021-22/627 दिनांक 05-01-2022)	2025	कुछ हिस्सों में बारिश का पानी रिसने के कारण डीबीएम पर दरारें देखी गईं।	प्रोजेक्ट अभी बन रहा है, रिपेयर और रेक्टिफिकेशन का काम रियायतग्राही ने अपने खर्च पर किया है।
	76	लखनऊ रिंग रोड पैकेज-3ए	2024	2.886 किमी की लंबाई में पीक्यूसी पैनल में दरारें।	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है।
	77	ईपीसी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-76 (कालूपुर - लालता रोड) के किमी 285.000 से 326.000 तक पेव्ड शोल्डर सहित दो लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन	2020	सख्त फुटपाथ में दरारें।	डीएलपी के दौरान देखी गई कमियों को ठीक करने तक दोष देयता अवधि बढ़ा दिया गया है। आईक्यूए रिपोर्ट के आधार पर सुधार का काम पूरा हो गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	78	ईपीसी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-76 (कबरई - बांदा रोड) के किमी 178.000 से 215.000 तक पेव्ड शोल्डर सहित दो लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन	2020	सख्त फुटपाथ में दरारें।	ढीएलपी के दौरान देखी गई कमियों को ठीक करने तक दोष देयता अवधि बढ़ा दिया गया है। आईक्यूए रिपोर्ट के आधार पर सुधार का काम पूरा हो गया है।
उत्तर प्रदेश और हरियाणा	79	पूर्वी परिधीय एक्सप्रेसवे (पैकेज- I, II, III, VI)	2021, 2022	निर्माण की गुणवत्ता खराब है।	संविदाकारों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मरम्मत का काम टीओटी रियायतकर्ता द्वारा किया जा रहा है।
उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	80	रारा-74 के हरिद्वार-नगीना खंड पर 4 लेन	2023	पीक्यूसी पैनल में दरारें	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने का प्रक्रिया शुरू कर दिया है।
उत्तराखंड	81	उत्तराखंड राज्य में एनएच-134 (पुराना एनएच-94) के साथ पड़ने वाले चैनेज 25.400 किलोमीटर और चैनेज 51.000 किलोमीटर के बीच धरासू - यमुनोत्री खंड पर पहुंचमार्ग सहित 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्क्यारा बेंड बरकोट सुरंग का निर्माण, संचालन और रखरखाव	2023	सिल्क्यारा टनल में कैविटी ढह गई ।	ईपीसी संविदाकार ने अपने खर्च पर सुधार के उपाय किए। जांच कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई।
पश्चिम बंगाल	82	ईपीसी मोड पर पश्चिम बंगाल राज्य में रारा-32 (लंबाई 10.315 किमी) के पुरुलिया बाईपास खंड के किमी 84.030 से किमी 94.345 तक 4-लेन का निर्माण	2025	नए बने पीक्यूसी में दरारें आ गई हैं।	i) संविदाकार ने सुधार का काम शुरू किया। संविदाकार के बिल से 20.00 लाख रुपये काट लिए गए। ii) एई के खास लोगों को एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।
	83	पश्चिम बंगाल राज्य में रारा-6 के चिचरा से खड़गपुर किलोमीटर 185.150 से किलोमीटर 134.400 तक को पेव्ड शोल्डर सहित चार लेन का बनाना , जिसमें किलोमीटर 134.400 से किलोमीटर 129.600 तक मौजूदा चार लेन का सुधार भी शामिल है।	2023	पीक्यूसी पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार के रिस्क और कॉस्ट पर रिपेयर किया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	84	एनएच-12 (पुराने एनएच-34) पर गंगा नदी के ऊपर नए 4-लेन पुल का निर्माण।	2020	लॉन्चिंग गर्डर के पलटने के कारण एक हिस्सा ढह गया।	संविदाकार पर 3 वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया है। सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।
	85	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के बरहामपुर-फरक्का खंड को चार लेन का बनाना	2024	अहिरोन ब्रिज (चैप्टर 257+440 लेफ्ट-लेफ्ट एमजेबी-ट्रस) के पी2 पर पॉट-पीटीएफई बेयरिंग के मेम्ब्रेन पैड में खराबी पाई गई। साथ ही, डेक-I और डेक-II के विस्तार जोड़ के बीच 90 मिमी तक का लेवल अंतर देखा गया, और कनेक्टिंग गसेट प्लेटों के कुछ एंकरिंग बोल्ट गायब थे।	रियायतग्राही पर 26.19 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सुधार कार्य पूरा हो गया है।
	86	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के फरक्का-रायगंज खंड को चार लेन का बनाना	2024	महानंदा पुल के 325+060 किमी (बाएं ओर) पर डेक स्लैब के निचले हिस्से में दरार। यह दरार स्पैन पी1 और पी2 (पीएससी गर्डर) के बीच फास्ट लेन के नीचे स्थित थी।	सुधार कार्य पूर्ण हो गया है।
	87		2024	एमजेबी के आरएचएस पियर 4 पर 325+223 पर, खंभे और भारी सुदृढीकरण खुले हुए थे। खुले हुए सुदृढीकरण में जंग लग गई थी।	रियायतग्राही द्वारा सुधार कार्य शुरू किया गया।
	88	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के बरहामपुर-फरक्का खंड को चार लेन का बनाना	2025	सड़क के किनारे गड्ढे, दरारें	रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर सुधार कार्य शुरू किया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
ओडिशा	89	एनएच-16 का चंडीखोले-भद्रक खंड	2023	1. किमी 96+326 पर पुल का खराब डिज़ाइन: 2. किमी 79+614 पर पुल: कैंटिलीवर टूटने की वजह से स्पैन ए1-पी1, पियर पी2 से अलग हो गया था घाट का एक हिस्सा टूटकर ज़मीन पर गिर गया था। ग्रिड “पी2” पर पियर कैप में चौड़ी दरारें (3-4 मिमी तक) दिखना। डेक स्लैब और उखड़े हुए स्पैन के गर्डर को नुकसान।	1. किमी 96+326 पर खराब डिज़ाइन के लिए, रियायतग्राही पर 30 लाख रु. और स्वतंत्र इंजीनियर पर 5 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। आईई के टीम लीडर और रियायतग्राही के खास लोगों को निलंबित कर दिया गया। किमी 79+614 पर पुल के लिए : संविदाकार पर 5 करोड़ रुपये और पर्यवेक्षण परामर्शदाता पर 20 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। डीपीआर परामर्शदाता को 1 साल के लिए बैन किया गया। पूरे सुधार के उपायों / पुर्ननिर्माण का खर्च रियायतग्राही से वसूला गया।
	90	एकल प्रतिशत मद दर अनुबंध में ओडिशा राज्य में एनएच-215 (नया एनएच -20) के पानीकोइली - रिमुली खंड पर किमी 0.000 से किमी 163.000 (डिजाइन चै. किमी 0.000 से 166.173) तक के शेष कार्य को पूरा करना	2022	पियर कैप (पी8) और गर्डरों (पी8 - पी9 स्पैन) का ढहना। बेलाबहाली बड़े पुल एलएचएस का किमी. 35.341 पर निर्माणाधीन शेष कार्य गर्डरों की लॉन्चिंग के दौरान ढह गया।	बनी हुई विशेषज्ञ कमिटी की सिफारिश के आधार पर संविदाकार ने अपने खर्च पर रेस्टोरेशन का काम किया।
असम	91	ईपीसी आधार पर भारतमाला परियोजना के तहत असम राज्य में एनएच-31 और एनएच-31सी [नया एनएच-27 (ईडब्ल्यू)] के खंडों पर बोंगाईगांव, चापागुरी, पाठशाला, सिमलागुरी चौक और बैहाटा जंक्शनों पर 6-लेन के स्टैंडअलोन फ्लाईओवर का निर्माण	2024	बैहाटा फ्लाईओवर (स्पैन पी1-पी2) पर एक पीएससी गर्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।	संविदाकार पर शास्ति लगाई गई। संविदाकार को 4 महीने के लिए बैन कर दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	प्रमुख क्षति/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	92	मेघालय राज्य में एनएच-44 के जोवाई-मेघालय-असम सीमा खंड पर किलोमीटर 69.200 से किलोमीटर 173.200 तक (डिजाइन चैनेज 171.455) दो लेन वाली सड़क पर पेव्ड शोल्डर की सुविधा उपलब्ध है।	2025	लगभग 10-15 मीटर की लंबाई में बिटुमिनस कंक्रीट का खिसकना	संविदाकार पर 20,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है और संविदाकार को अपने खर्च पर सुधार कार्य करवाना होगा।
दिल्ली	93	ईपीसी मोड पर दिल्ली राज्य में एनएच-8 के 20 किलोमीटर पर स्थित शिव मूर्ति चौराहे से द्वारका सेक्टर-21 के पास रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) तक (0.600 किलोमीटर से 5.300 किलोमीटर तक) द्वारका एक्सप्रेसवे पैकेज-1 का निर्माण ।	2023	द्वारका एक्सप्रेसवे पर शिव मूर्ति इंटरचेंज के फ्लाईओवर का पी8-पी9 हिस्सा गिर गया।	संविदाकार द्वारा सुधारात्मक उपाय पूरे कर लिए गए हैं।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	94	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एनएच-4 के अंडमान ट्रंक रोड के किमी 181.00 से किमी 206.00 खंड तक हॉर्ड शोल्डर के साथ इंटरमीडिएट लेन में पुनर्स्थापन (कुल लंबाई 25.00 किमी)" (पैकेज-VII)	2024	अलग-अलग जगहों पर फुटपाथ का धंसना।	सुधार का काम पूरा हो गया।
	95	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दक्षिण अंडमान और बाराटांग द्वीप को जोड़ने वाले एनएच- 223 (नया एनएच-4) के किमी 21.717, किमी 23.150, किमी 88.300, किमी 92.100 पर 4 छोटे पुलों का निर्माण	2024	बीडी नाला पर किमी 88+300 पर बने छोटे पुल के डेक स्लैब (बाईं ओर) में पंचिंग और खराब कारीगरी समेत दूसरी क्वालिटी की दिक्कतें।	ईपीसी संविदाकार ने सीआरआरआई-सीएसआईआर रिपोर्ट के अनुसार स्लैब बदलने सहित ज़रूरी सुधार अपने खर्चे पर किए हैं।

अनुलग्नक-।।

"राष्ट्रीय राजमार्गों में खामियां" के संबंध में श्री जगदीश चंद्रा बर्मा बसुनिया द्वारा पूछे गए दिनांक 12.03.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3442 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट के दीर्घकालिक सुधार कार्य का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ब्लैक स्पॉट	पूर्ण दीर्घकालिक सुधार कार्य
गुजरात	386	168
ओडिशा	597	378
तमिलनाडु	1661	613
महाराष्ट्र	550	267
पश्चिम बंगाल	1339	803
दिल्ली	335	181
झारखंड	279	120
कर्नाटक	1278	701
केरल	701	123
गोवा	50	26
आंध्र प्रदेश	1060	343
तेलंगाना	1535	516
बिहार	306	64
असम	285	77
मिजोरम	1	1
मेघालय	56	23
नागालैंड	71	64
सिक्किम	16	16
मणिपुर	19	14
त्रिपुरा	29	12
अरुणाचल प्रदेश	9	0
उत्तराखंड	110	80
पंजाब	1407	463
हरियाणा	124	58
चंडीगढ़	7	0
मध्य प्रदेश	596	225
उत्तर प्रदेश	2210	540

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ब्लैक स्पॉट	पूर्ण दीर्घकालिक सुधार कार्य
जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र	224	62
हिमाचल प्रदेश	232	199
छत्तीसगढ	338	245
राजस्थान	727	265
अंडमान और निकोबार	4	2
कुल	16542	6649

*****